



## UDISE+ 2019-20 रिपोर्ट

 [driштиias.com/hindi/printpdf/udise-2019-20-report](http://driштиias.com/hindi/printpdf/udise-2019-20-report)

### पिरलिम्स के लिये:

यूनाइटेड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+)

### मेन्स के लिये:

भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति और इसमें सुधार हेतु सरकार द्वारा किये गए प्रयास

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारत में स्कूली शिक्षा के लिये 'यूनाइटेड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' (UDISE+) 2019-20 रिपोर्ट जारी की है।

### यूनाइटेड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+)

- यह स्कूली शिक्षा पर सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणाली में से एक है। इसे वर्ष 2018-2019 में डेटा प्रविष्टि में तेज़ी लाने, त्रुटियों को कम करने, डेटा गुणवत्ता में सुधार करने और डेटा सत्यापन को आसान बनाने हेतु लॉन्च किया गया था।
- यह स्कूल और उसके संसाधनों से संबंधित कारकों के विषय में विवरण एकत्र करने संबंधी एक एप्लीकेशन है। यह UDISE का एक अद्यतित और उन्नत संस्करण है, जिसे शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012-13 में शुरू किया गया था।
- इसमें 1.5 मिलियन से अधिक स्कूल, 8.5 मिलियन शिक्षक और 250 मिलियन बच्चे शामिल हैं।
- यह भारत भर के सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक के शिक्षा मानकों को मापने में मदद करता है।

### प्रमुख बिंदु:

#### कुल छात्र:

वर्ष 2019-20 में प्री-प्राइमरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक स्कूली शिक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या 26.45 करोड़ के पार पहुँच गई है। यह 2018-19 की तुलना में 42.3 लाख अधिक है।

#### सकल नामांकन अनुपात:

- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सकल नामांकन अनुपात (GER) में 2018-19 की तुलना में 2019-20 में सुधार हुआ है।
  - उच्च प्राथमिक स्तर 87.7% से बढ़कर 89.7% हो गया।
  - प्राथमिक स्तर 96.1% से बढ़कर 97.8% हो गया।
  - माध्यमिक स्तर 76.9% से बढ़कर 77.9% हो गया।
  - हायर सेकेंडरी लेवल 50.1% से बढ़कर 51.4% हो गया।
- **GER** शिक्षा के किसी दिये गए स्तर में नामांकित छात्रों की संख्या है, चाहे वह किसी भी उम्र के हों, शिक्षा के समान स्तर के अनुरूप आधिकारिक स्कूल-आयु की आबादी के प्रतिशत के रूप में व्यक्त की जाती है।

#### छात्र अध्यापक अनुपात:

- वर्ष 2019-20 में 96.87 लाख शिक्षक विद्यालयी शिक्षा में संलग्न थे। यह वर्ष 2018-19 की तुलना में लगभग 2.57 लाख अधिक हैं।
- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्र शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है।

#### दिव्यांग छात्रों का नामांकन:

वर्ष 2018-19 की तुलना में दिव्यांग छात्रों के नामांकन में 6.52% की वृद्धि हुई है।

#### लड़कियों का नामांकन:

वर्ष 2019-20 में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक लड़कियों का नामांकन 12.08 करोड़ से अधिक है। इसमें वर्ष 2018-19 की तुलना में 14.08 लाख की वृद्धि हुई है।

#### लिंग समानता सूचकांक:

- वर्ष 2012-13 और 2019-20 के बीच माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक दोनों स्तरों पर लिंग समानता सूचकांक (GPI) में सुधार हुआ है।  
प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा में GPI, शिक्षा के प्राथमिक, माध्यमिक व तृतीयक स्तरों पर नामांकित महिला छात्रों की संख्या तथा प्रत्येक स्तर पर पुरुष छात्रों की संख्या का अनुपात है।
- उच्चतर माध्यमिक स्तर पर GPI में सर्वाधिक सुधार हुआ है, जो वर्ष 2012-13 के 0.97 से 2019-20 में 1.04 हो गया है।

#### स्कूलों में सुविधाएँ:

- **विद्युत:** 2019-20 में भारत के **80% से अधिक स्कूलों में कार्यात्मक बिजली थी। इसमें पिछले वर्ष 2018-19 की तुलना में 6% से अधिक का सुधार है।**
- **कंप्यूटर:** कार्यात्मक कंप्यूटर वाले स्कूलों की संख्या **2018-19 में 4.7 लाख से बढ़कर 2019-20 में 5.2 लाख** हो गई।
- **इंटरनेट:** इंटरनेट सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 2018-19 के 2.9 लाख से बढ़कर 2019-20 में 3.36 लाख हो गई।
- **हाथ धोने की सुविधा:** 2019-20 में भारत के **90% से अधिक स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा थी।** यह एक बड़ा सुधार है क्योंकि 2012-13 में यह सुविधा केवल 36.3% थी।
- **मेडिकल चेक-अप:** **2019-20 में 82% से अधिक स्कूलों ने छात्रों का मेडिकल चेक-अप किया,** जो पिछले वर्ष 2018-19 की तुलना में 4% से अधिक है।

कुछ महत्त्वपूर्ण सरकारी पहलें:

स्रोत: पी.आई.बी.

---